मुरैना जिले की 8 ग्रामों की जैवविविधता प्रबंधन समितियों व ग्राम वासियों के बीच गुग्गुल के वातावरण निर्माण, क्रियाषील करने की रिपोर्ट निम्नानुसार है–

1 कार्यषाला में निम्नानुसार विषयों पर चर्चा की गई –

कार्यषाला	दिनांक	स्थान	विषय	प्रशिक्षक
प्रथम कार्यषाला	5.2.2014	पिपरईपुरा दरोगा जी के निवास	यह कार्यषाला आयोजित कि गई। जिसमें गांव के स्त्री पुरूषों के साथ–साथ संयुक्त वन प्रबंधन समिति के सभी सदस्यों ने भागीदारी की। सरपंच व जैवविविधता प्रबंधन समितियों के माध्यम से ग्रामवासियों की बैठक आयोजित कर उन्हें गुग्गल के वातावरण निर्माण का प्लान एवं उद्वेष्य– मुरैना जिले की बीहड क्षेत्रों मे उपलब्ध गुग्गल प्रजाति के पौधों के संरक्षण, संबर्धन, विनाषहीन विदोहन तथा विपणन हेतु स्थानीय संग्राहको को जागरूक करना एवं ग्रामीणों, वनविभाग तथा उपायोगकर्ता, संस्थाओं के मध्य सेतु के रूप में कार्य कर संवाहनीय उत्पादन प्राप्त कर ग्रामीण आजीविका में बृद्धि करना। जैवविविधता प्रबंधन समितियों से अवगत कराया तथा जैवविविधता की अवधारणा समझाई। जैवविविधता का महत्व , जैवविविधता अधिनियम , नियम जैवविविधता प्रबंधन समितियों के कार्य व अधिकार इत्यादि। जैवविविधता संसाधनों की पहुच के नियमन की प्रक्रिया इस हेतु संधारित किये जाने बाले प्रपत्रों की जानकारी जैव संसाधनों पर फीस लगाने की प्रक्रिया आदि। जैवविविधता निधि का संधारण, लेखांकन की प्रकिया एवं समिति द्वारा अपने क्षेत्र में किये जाने वाले कार्यों की चर्चा तथा जैवविविधता संरक्षण एवं संवर्धन पर कार्य करने के लिये उत्साहित किया तथा गुग्गल में चीरा लगाने वालों को व संग्रहण करने वालों की भी जानकारी प्राप्त की।	जाकिर हुसैन, श्री राजेन्द्र सिंह तोमर, आमिल खांन, अब्दुल, देवेष वर्मा
द्वितीय कार्यषाला	7.2.2014	पिपरई सरपंच निवास		
तृतीय कार्यषाला	10.2.2014	भानपुर सरपंच निवास		
चतुर्थ कार्यषाला	13.2.2014	जैतपुर ग्रम्रंम चोपाल		
पंचम कार्यषाला	16.2.2014	मकसूदपुर सरपंच निवास		
छटवी कार्यषाला	19.2.2014	हेतमपुर सचिव निवास		
सातवीं कार्यषाला	22.2.2014	हेतमपुर मजरा प्राथमिक विद्यालय		
आठवीं कार्यषाला	3.3.2014	पुरानी उसैद ग्रांम चौपाल		

2 प्रशिक्षण में निम्नानुसार विषयों पर चर्चा की गई –

प्रशिक्षण	दिनांक	स्थान	विषय	प्रशिक्षक
1	5.3.2014	बृद्ध आश्रम मीटिंग हॉल	सुजाग्रति समाज सेवी संस्था का स्टाफ तथा संयुक्त वन प्रबंधन समिति ग्रांम कैंमरा, कैंथरी, उसैद और गोदूपुरा के अध्यक्ष व सचिवों को चम्बल क्षेत्र में गुग्गल के संरक्षण एवं संबर्धन हेतु जनजागरूकता तथा सुरक्षा की कार्ययोजना के तहत क्या–क्या गतिविधियां कैसे– कैसे की जानी हैं हेतु प्रषिक्षण दिया गया।	जाकिर हुसैन एवं महिन्द्र सिंह षिकरवार
2	5.3.2014 से 7.3. 2014 तक	बुद्ध आश्रम सांस्कृतिक हॉल	कला मंडल के 8 कलाकारों को क्षेत्र के 25 गांव में गुग्गल के संरक्षण एवं संबर्धन हेतु जनजागरूकता तथा सुरक्षा की कार्ययोजना के तहत सांस्कृतिक कार्यक्रम करने हेतु उनकी बेहतर प्रस्तुति हेतु गीत, नाटकों की स्क्रीप्ट तैयार कर उन कलाकारों को सिखाया गया	श्री विनोद कुमार मिश्र दतिया एवं कौषलेन्द्र भिण्ड
3	9.3.2014	पिपरईपुरा बी. एम.सी. अध्यक्ष की बैठक में	चूंकि गुग्गल में चीरा मार्च माह के अन्त में लगाया जाता है लोग अकसर गलत तरीके से गुग्गल में चीरा लगाते हैं और यही गुग्गल के विनाष होने का खास कारण है। इसलिए विनाषहीन विदोहन की प्रक्रिया को लेकर ग्रांम पिपरई पुरा में प्रषिक्षण का आयोजन किया गया जिसमें कार्यषाला में चिंहित गुग्गल में चीरा लगाने वाले हितग्राहियों को जवाहर गुग्गल यंत्र भी प्रदान कराये गये।	डा0 अतुल श्रीवास्तव एवं डा0 मीना जे. एन.के.भी.भी. जवलपुर
4	10.3.2014	पुरानी उसैद प्राईमरी स्कूल	चूंकि गुग्गल में चीरा मार्च माह के अन्त में लगाया जाता है लोग अकसर गलत तरीके से गुग्गल में चीरा लगाते हैं और यही गुग्गल के विनाष होने का खास कारण है। इसलिए विनाषहीन विदोहन की प्रक्रिया को लेकर ग्रांम पुरानी उसैद में प्रषिक्षण का आयोजन किया गया जिसमें कार्यषाला में चिंहित गुग्गल में चीरा लगाने वाले हितग्राहियों को जवाहर गुग्गल यंत्र भी प्रदान कराये गये।	डा0 अतुल श्रीवास्तव एवं डा0 मीना जे. एन.के.भी.भी. जवलपुर

3 लोक जैवविविधता पंजीयों का संधारण– ग्रांम पिपरई, पिपरईपुरा, भानपुर, जैतपुर चार ग्रामों की लोक जैवविविधता पंजी का अवडेट निर्माण किया गया।

4 मुरैना जिले की बीहड क्षेत्रों मे उपलब्ध गुग्गल प्रजाति के पौधों के संरक्षण, संबर्धन, विनाषहीन विदोहन तथा विपणन हेतु घर–घर तक बात पहुंचाने हेतु 25 ग्रांमों हेतु 1000 गुग्गल क्लैण्डर तथा 500 कार्ड निर्माण किये गये।

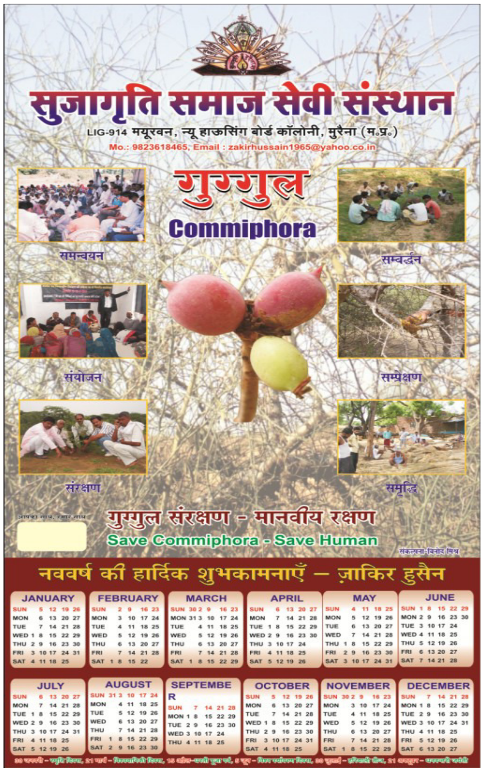

5 गुग्गुल प्रजाति के पौधों के संरक्षण, संबर्धन, विनाषहीन विदोहन तथा विपणन हेतु घर–घर तक तथा जन–जन तक बात पहुंचाने हेतु 25 ग्रांमों हेतु दिवाल लेखन के लिए नारे तथा कुटेषन तैयार किये गये।

1 सबको यह समझाना है। गुग्गल वृक्ष बचाना है।।
2 गुग्गल से हम सबकी शान। चंबल क्षेत्र की है पहचान।।
3 जन–जन का हितकारी गुग्गल। बाद रोग लाभकारी गुग्गल।।
4 गुग्गल वृक्ष का हो संरक्षण। तव होगा मानव का रक्षण।।
5 जंगल में मंगल जो करता। गुग्गल निरधन का दुख हरता।।

जाकिर हुसैन
सुजाग्रति समाज सेवी
संस्था मुरैना म0प्र0

उक्त बैठकों के प्रतिभागियों की सूची एवं फोटोग्राफ तथा सरपंच सचिव एवं जैवविविधता प्रबंधन समिति अध्यक्षों का अभिमत निमम्नानुसार है –

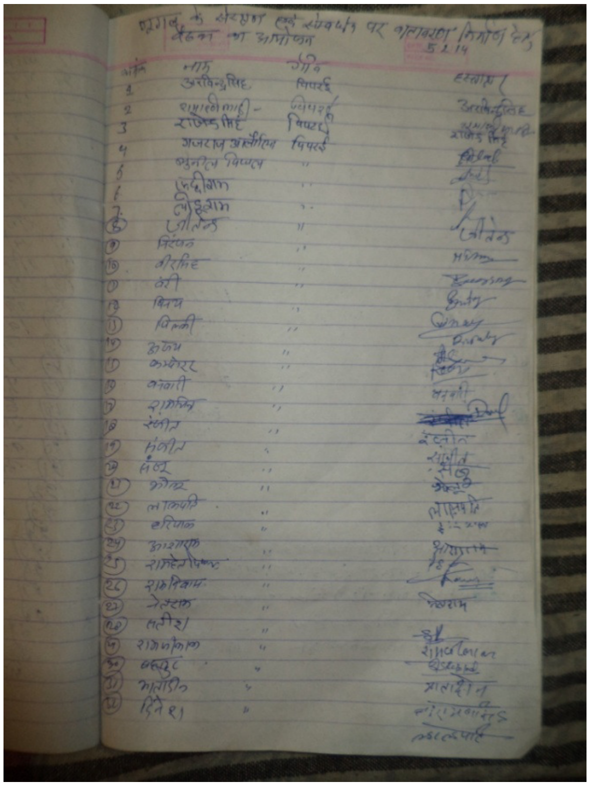

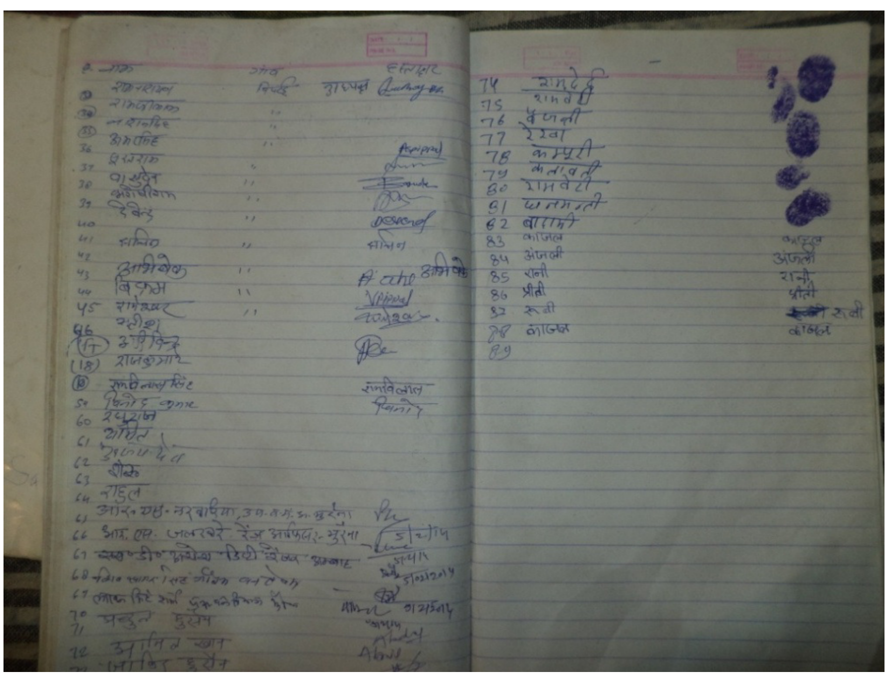

पिपरई पुरा में कार्यषाला में प्रतिभागी

प्रतिभागी मंचाषीन

उसैद कार्यषाला में प्रतिभागी

प्रतिभागी मंचाषीन

कलामंडल प्रषिक्षण का शोभारम्भ करते हुए

प्रषिक्षण देते हुए श्री विनोद मिश्र

सुजाग्रति समाज सेवी संस्था का स्टाफ तथा संयुक्त वन प्रबंधन समितियों को प्रषिक्षण देते हुए जाकिर हुसैन

गुग्गल में चीरा लागाना सीखाते डा0 अतुल श्रीवास्तव व गुग्गल प्लान्टेषन हेतु तकनीकी ज्ञान देते हुए वैज्ञानिक

विनाशहीन विदोहन पर प्रषिक्षण ग्राम पिपरईपुरा में डा0 अतुल श्रीवास्तव, डा0 मीना तथा जाकिर हुसैन

ग्राम पिपरईपुरा, उसैद में जवाहर गुग्गल यंत्र प्राप्त करते हुए हितग्राही किसानों का सामूहिक फोटो

विनाशहीन विदोहन पर प्रषिक्षण ग्राम पुरानी उसैद में डा0 अतुल श्रीवास्तव, डा0 मीना तथा जाकिर हुसैन

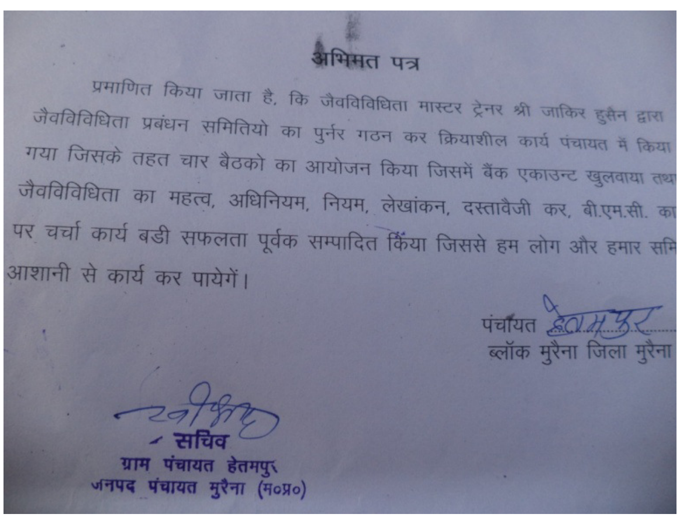

अभिमत पत्र

प्रमाणित किया जाता है, कि जैवविविधिता मास्टर ट्रेनर श्री जाकिर हुसैन द्वारा जैवविविधिता प्रबंधन समितियो का पुर्नर गठन कर क्रियाशील कार्य पंचायत मे किया गया जिसके तहत चार बैठको का आयोजन किया जिसमें बैंक एकाउन्ट खुलवाया तथा जैवविविधिता का महत्व, अधिनियम, नियम, लेखांकन, दस्तावेजी कर, बी.एम.सी. का पर चर्चा कार्य बडी सफलता पूर्वक सम्पादित किंया जिससे हम लोग और हमार समि आशानी से कार्य कर पायेगें।

पंचायत हेतमपुर
ब्लॉक मुरैना जिला मुरैना

सचिव
ग्राम पंचायत हेतमपुर
जनपद पंचायत मुरैना (म०प्र०)

अभिमत पत्र

प्रमाणित किया जाता है, कि जैवविविधिता मास्टर ट्रेनर श्री जाकिर हुसैन द्वारा जैवविविधिता प्रबंधन समितियो का पुर्नर गठन कर क्रियाशील कार्य पंचायत में किया गया जिसके तहत चार बैठको का आयोजन किया जिसमें बैंक एकाउन्ट खुलवाया तथा जैवविविधिता का महत्व, अधिनियम, नियम, लेखांकन, दस्तावैजी कर, बी.एम.सी. कार्य पर चर्चा कार्य बडी सफलता पूर्वक सम्पादित किया जिससे हम लोग और हमार समिति आशानी से कार्य कर पायेगें।

पंचायत भानपुर
ब्लॉक मुरैना जिला मुरैना

अभिमत पत्र

प्रमाणित किया जाता है, कि जैवविविधिता मास्टर ट्रेनर श्री जाकिर हुसैन द्वारा जैवविविधिता प्रबंधन समितियो का पुर्नर गठन कर क्रियाशील कार्य पंचायत में किया गया जिसके तहत चार बैठको का आयोजन किया जिसमें बैंक एकाउन्ट खुलवाया तथा जैवविविधिता का महत्व, अधिनियम, नियम, लेखांकन, दस्तावैजी कर, बी.एम.सी. कार्य पर चर्चा कार्य बडी सफलता पूर्वक सम्पादित किया जिससे हम लोग और हमार समिति आशानी से कार्य कर पायेगें।

पंचायत मसूदपुर
ब्लॉक मुरैना जिला मुरैना

सचिव

सरपंच
ग्राम पंचायत मसूदपुर

अभिमत पत्र

प्रमाणित किया जाता है, कि जैवविविधिता मास्टर ट्रेनर श्री जाकिर हुसैन द्वारा जैवविविधिता प्रबंधन समितियो का पुर्नर गठन कर क्रियाशील कार्य पंचायत में किया गया जिसके तहत चार बैठको का आयोजन किया जिसमें बैंक एकाउन्ट खुलवाया तथ जैवविविधिता का महत्व, अधिनियम, नियम, लेखांकन, दस्तावैजी कर, बी.एम.सी. क पर चर्चा कार्य बडी सफलता पूर्वक सम्पादित किया जिससे हम लोग और हमार स आशानी से कार्य कर पायेगें।

पंचायत पिपरई
ब्लॉक मुरैना जिला मुरैन

अध्यक्ष
जैव विविधता प्रबन्धन समिति
ग्राम पिपरई, मुरैना (म.प्र.)

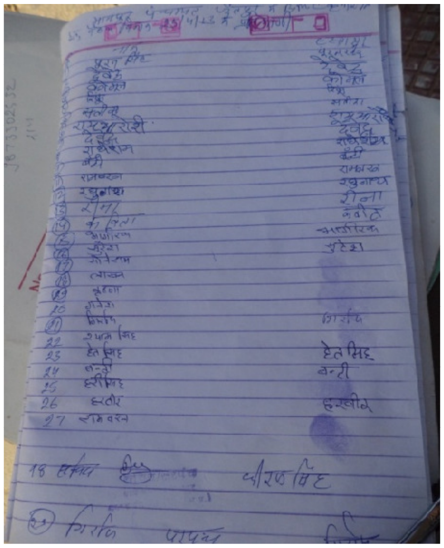

23 हेत सिंह
24 बन्टी
25
26
27
धीरज सिंह

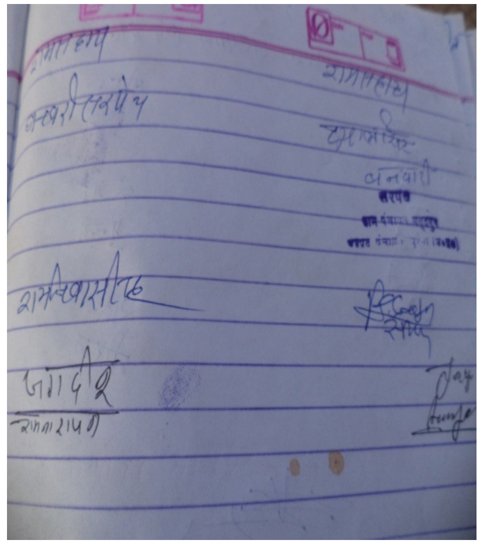

जगदीश
सरपंच

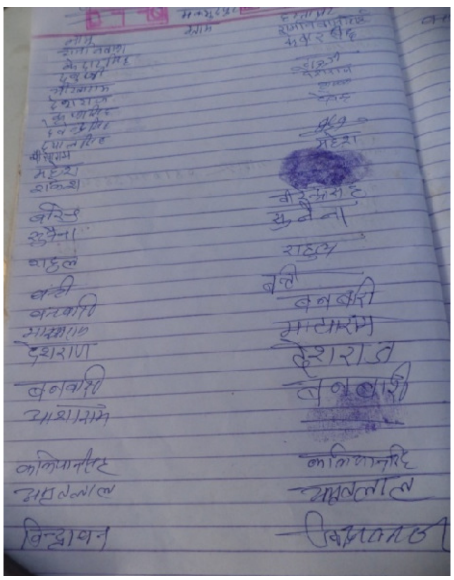

राहुल
बनवारी
केशराज
बनवारी
मदनलाल

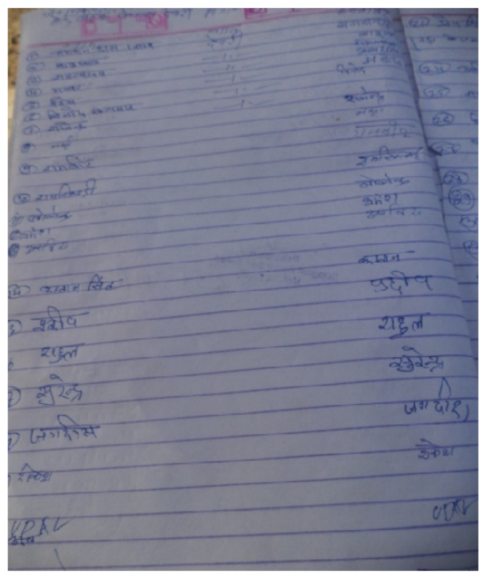

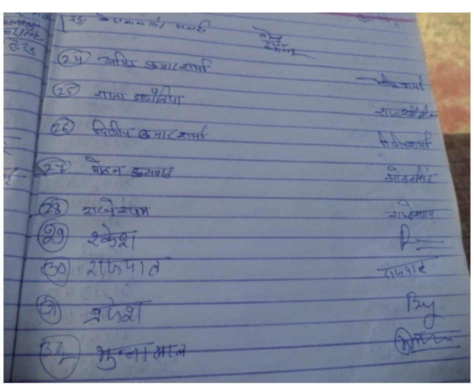

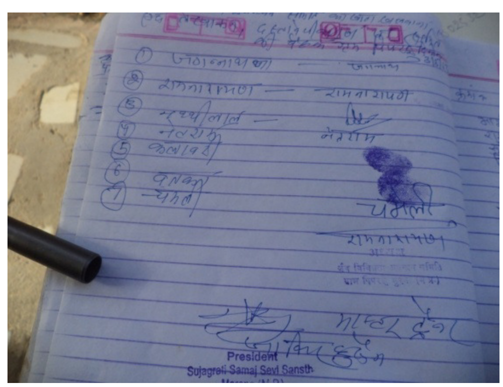

रामनारायण
President
Sujagrati Samaj Sevi Sansth

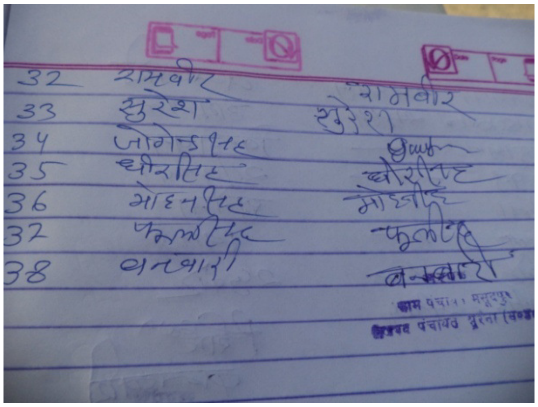

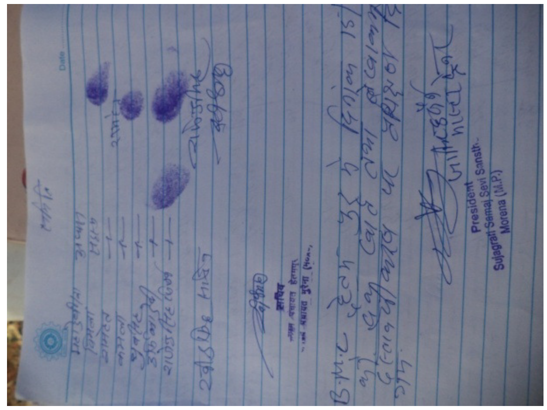

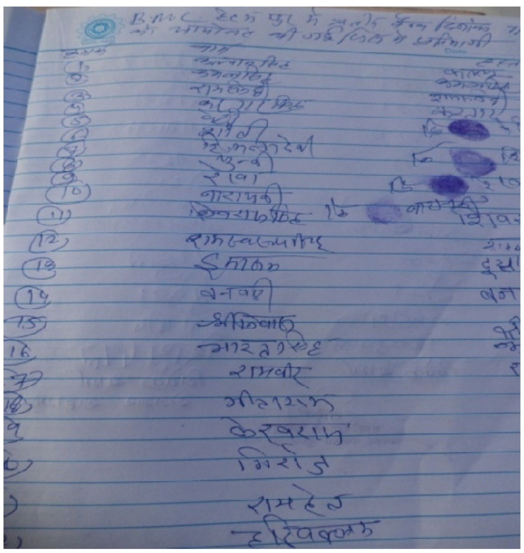

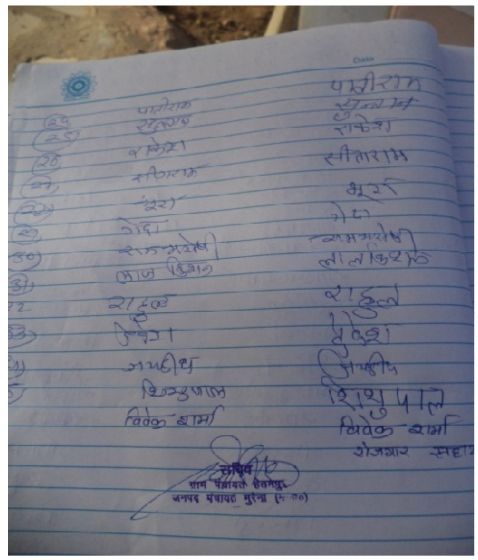

भानपुर में बी एम सी सदस्य पंचायत सचिव व ग्रांम वासियों के बीच, कार्यषाला के वाद ग्रुप फोटो।

बी एम सी पिपरई के साथ बैठक करते हुये ।

हेतमपुर में बैठक लेते हुये सचिव सरपंच

पिपरई पंचायत में उन्मुखीकरण करते हुये।

हेतमपुर पंचायत में लेखांकन तथा दस्तावेजीकरण की जानकारी देते हुये जाकिर हुसैन।

मकसूदपुर पंचायत में उन्मुखीकरण करते हुये तथा बी एम सी से जैवविविधता कार्य पर जानकारी लेते हये।

जाकिर हुसैन
सुजाग्रति समाज सेवी
संस्था मुरैना म0प्र0